मृदुल पत्रिका समाचार पत्र को समस्त जिलों एवं तहसील-कस्बों में संवाददाताओं की आवश्यकता है। सम्पर्क सूत्र 9828888853

दैनिक
मृदुल पत्रिका
Mridul Patrika

राजस्थान, दिल्ली, उत्तरप्रदेश एवं हरियाणा से प्रकाशित

हमारे यहां किताबों व समाचार पत्रों की प्रिन्टिंग की जाती है सम्पर्क सूत्र 9571039307 (भरत प्रिंटर्स एण्ड सैल्स कॉर्पोरेशन)

पृष्ठ 8 | वर्ष 17 | मूल्य 2.00 रुपए | अंक 64 | जयपुर, मंगलवार, 14 अक्टूबर, 2025 | RNI/RAJHIN/2008/27048 | dainikmridulpatrika@gmail.com | 9413193990

सीएसआईआर-सीरी में 'माइक्रोवेव, मिलीमीटर-वेव तकनीकों पर तीन-दिवसीय संगोष्ठी का शुभारंभ

6जी वैश्विक क्रांति में हमारे स्टार्टअप्स, शोध एवं शिक्षा संस्थानों को मिलकर काम करना होगा: राजेश पाठक

पिलानी (बाबूलाल घोघलिया/ मृदुल पत्रिका)। सीएसआईआर - केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिकी अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान (सीरी), पिलानी में तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय विज्ञान संगोष्ठी माइक्रोवेव, मिलीमीटर वेव एंड बियॉण्ड टेक्नोलॉजीज फॉर कनेक्टेड फ्यूचर का शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में राजेश कुमार पाठक, महानिदेशक, भारत 6जी अलायंस तथा विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर शील आदित्य, एनटीयू, सिंगापुर थे। उद्घाटन सत्र में तीन एमओयू का भी आदान-प्रदान हुआ। इस अवसर पर शोध संगठनों, औद्योगिक प्रतिष्ठानों एवं प्रमुख शिक्षा संस्थानों के प्रतिनिधियों के अलावा संगोष्ठी के प्रतिभागी एवं संस्थान के सहकर्मी उपस्थित थे। संगोष्ठी का उद्देश्य इस महत्वपूर्ण विषय से जुड़े शोधार्थियों, उद्योग एवं शिक्षा जगत के प्रतिनिधियों के साथ हाई फ्रीक्वेंसी और उन्नत संचार प्रणालियों पर भारत को सुदृढ बनाने

के अलावा नवाचार, परस्पर सहयोग की संभावनाओं को बढ़ाना था।

मुख्य अतिथि राजेश पाठक, महानिदेशक, भारत 6जी एलायंस, ने बियॉन्ड 5जी टु 6जी- इंडिया पर्सपेक्टिव विषय पर की-नोट व्याख्यान दिया। अपने संबोधन में उन्होंने भारत की 6जी तकनीक के प्रति रणनीतिक रूपरेखा, अनुसंधान पहलों और तकनीकी प्रगति पर विस्तार से प्रकाश डाला। विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर शील आदित्य ने भी अपने आरंभिक संबोधन में संचार प्रौद्योगिकी के बदलते आयाम पर अपने विचार व्यक्त किए।

संगोष्ठी के दौरान अतिथियों ने प्रौद्योगिकी प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। प्रदर्शनी में विभिन्न औद्योगिक एवं शैक्षणिक संस्थानों द्वारा माइक्रोवेव और संचार तकनीकों पर आधारित नवीन एवं अभिनव समाधान प्रदर्शित किए गए। अतिथियों ने इस अवसर पर सीएसआईआर-सीरी की सेमीकंडक्टर, वैक्यूम इलेक्ट्रॉनिक्स तथा एआई एवं आईओटी सक्षम साइबर-फिजिकल सिस्टम्स से संबंधित तकनीकी क्षमताओं का भी अवलोकन किया, जो संस्थान की अत्याधुनिक अनुसंधान दक्षता का परिचायक हैं।

पहले दिन के तकनीकी सत्रों में देश के प्रमुख शिक्षाविदों एवं विशेषज्ञों– आईआईटी-दिल्ली के प्रो. अनंजन बसु एवं प्रो. एम. अबेगांवकर, आईआईएसटी त्रिवेंद्रम के प्रो. चिन्मय साहा; अस्त्र माइक्रोवेव्स के डॉ. एनएनएसएसआरके प्रसाद, आईआईटी-दिल्ली के प्रो. मुस्तफिजुर रहमान तथा कलकत्ता विश्वविद्यालय के प्रो. अम्लान चक्रवर्ती ने अपने व्याख्यानों में माइक्रोवेव, एंटेना इंजीनियरिंग, रडार सिस्टम्स और क्वांटम कम्प्यूटिंग जैसे विषयों पर अत्यंत उपयोगी विचार साझा किए।

इससे पूर्व सीएसआईआर-सीरी के निदेशक डॉ. पी.सी. पंचारिया ने स्वागत संबोधन देते हुए सीरी के अनुसंधान क्षेत्रों एवं उनकी प्रमुख उपलब्धियों की जानकारी दी। डॉ. नीरज कुमार ने संगोष्ठी के उद्देश्य एवं पृष्ठभूमि पर प्रकाश डाला। डॉ. शुभ्रदीप ने संगोष्ठी के तकनीकी कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की और इस दौरान आयोजित होने वाले तकनीकी सत्रों, पैनल चर्चाओं, प्रदर्शनी आदि की जानकारी दी।